भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 2856

जिसका उत्तर 05.12.2019 को दिया जाना है

मंगलौर शहर में बाईपास परियोजना

2856. श्री नलीन कुमार कटीलः

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) भारतमाला परियोजना चरण-I के अंतर्गत मंगलौर शहर बाईपास परियोजना के लिए नई ग्रीनफील्ड संरेखन किया गया था और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि मुल्की और थोकोट्टू के बीच प्रस्तावित बाईपास से बेंगलुरु और कासरगौड की ओर जाने वाले व्यावसायिक और भारी वाहनों को सुविधा मिलने की संभावना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने उक्त परियोजना को पूरा करने के लिए कोई समय-सीमा निर्धारित की है

और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) उक्त परियोजना पर कार्य कब तक आरंभ होने की संभावना है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क): 5,35,000 करोड़ रुपए के अनुमानित परिव्यय पर लगभग 34800 किमी (10000 किमी के अवशेष एनएचडीपी खंडों सहित) की समग्र लंबाई वाले राजमार्ग खंडों के विकास के लिए भारत सरकार ने अक्तूबर, 2017 में भारतमाला परियोजना चरण-I को अनुमोदित किया था। भारतमाला परियोजना के तहत, कर्नाटक राज्य में मंगलौर में अंत:क्षेप के प्रावधान सहित 191 चोक प्वाइंट/भीड़भाड वाले स्थानों के साथ-साथ 28 रिंगरोड के विकास के लिए चिह्नित किया गया है। मंगलौर शहर (रिंग रोड/बाइपास) में अंत:क्षेप के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने का कार्य शुरू कर दिया गया है।

(ख) से (घ): रारा-66 के चैनेज 348.000 (मुल्की के पास) से रारा-66 के चैनेज 390.600 (तलपाड़ी के पास) तक एक बाइपास परिकल्पित किया गया है। इस कार्य के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने का कार्य शुरू कर दिया गया है। राजमार्ग खंडों का विकास डीपीआर/व्यवहार्यता अध्ययन, परियोजना व्यवहार्यता, पारस्परिक प्राथमिकता और निधियों की उपलब्धता के परिणाम के आधार पर संरेखण, लागत अनुमान, भूमि अधिग्रहण आवश्यकता आदि को अंतिम रूप देने के बाद शुरू किया जाता है।

*****